N.E.S. HIGH SCHOOL
Bhandup (W), Mumbai – 400 078.

I-Semester Examination

STD-X | Sub – HINDI | Marks – 100
Date-30/10/18 | No. of Pages 11 | Time : 3 Hrs.

प्र .1अ निम्नलिखित पठित परिच्छेद पढ़कर सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ पूर्ण कीजिए।

रामस्वरुप : यही कि शादी तय करने में खूबसूरती का हिस्सा कितना होना चाहिए ।

गो. प्रसाद : (बीच में ही) यह बात दूसरी है बाबू रामस्वरुप, मैंने आपसे पहले भी कहा था, लड़की का खूबसूरत होना निहायत जरुरी है और जायचा (जन्म पत्र) तो मिल ही गया होगा।

रामस्वरुप : जी, जायचे का मिलना क्या मुश्किल बात है। ठाकुर जी के चरणों में रख दिया। बस, खुद-ब-खुद मिला हुआ समझिए । (शंकर भी हँसता है, मगर गोपाल प्रसाद गंभीर हो जाता है।)

गो. प्रसाद : लड़कियों को अधिक पढ़ने की जरुरत नहीं है । सिलाई-पुराई कर लें बस।

रामस्वरुप : हँ-हँ! (मेज को एक तरफ सरका देते हैं। फिर अंदर के दरवाजे की तरफ मुँह कर जरा जोर से) अरे, जरा पान भिजवा देना... (उमा पान की तश्तरी अपने पिता को देती है। उस समय उसका चेहरा ऊपर की तरफ उठ जाता है और नाक पर रखा हुआ सुनहरी रिमवाला चश्मा दीखता है। बाप-बेटे चौंक उठते हैं।)

गो. प्रसाद :

और शंकर: (एक साथ) चश्मा!!!

1. संजाल पूर्ण कीजिए । 2

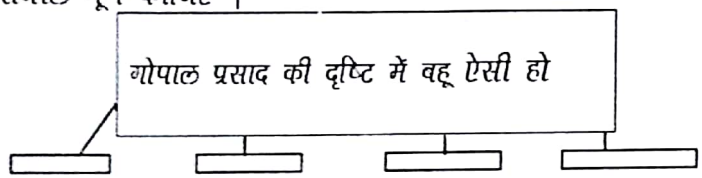

2)i. निम्नलिखित गलत वाक्यों को सही करके पुनः लिखिए । 2
1. गोपाल प्रसाद ने जायचा ठाकुर जी के चरणों में रख दिया ।
2. रामस्वरुप चाय भिजवाने के लिए आवाज लगाते हैं ।

ii) कारण बताओ :- 1

1 बाप-बेटे चौंक उठे-

3) i) निम्नलिखित शब्दों के विलोम शब्द परिच्छेद में से खोजकर लिखिए । 1
1. मृत्यु x ..... 2. आसान x .....

4) स्वमत अभिव्यक्तिः- 2
'स्त्री-शिक्षा' के संदर्भ में अपने विचार 6 से 8 वाक्यों में लिखिए ।

प्र .1आ निम्नलिखित पठित परिच्छेद पढ़कर सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ पूर्ण कीजिए।

कुछ देर बाद हमारी टैक्सी मडगाँव से पाँच किमी दूर दक्षिण में स्थित कस्बा वेनालियम के एक रिसार्ट में आकर रुक गई । यह रिसार्ट हमने पहले से बुक कर लिया था । इसलिए औपचारिक खानापूर्ति कर हम आराम करने के इरादे से अपने-अपने स्यूट में चले गए। इससे पहले की हम कमरों से बाहर निकलें, मैं आपको गोवा की कुछ खास बातें बता दूँ। दरअसल, गोवा राज्य दो भागों में बँटा हुआ है। दक्षिण गोवा जिला तथा उत्तर गोवा जिला। इसकी राजधानी पणजी मांडवी नदी के किनारे स्थित है। यह नदी काफी बड़ी है तथा वर्ष भर पानी से भरी रहती है। फिर भी समुद्री इलाका होने के कारण यहाँ मौसम में प्रायः उमस तथा हवा में नमी बनी रहती है। शरीर चिपचिपाता रहता है लेकिन मुंबई जितना नहीं, क्योंकि यहाँ का क्षेत्र हरीतिमा से भरपूर है फिर भी धूप तो तीखी ही होती है ।

यों तो गोवा अपने खूबसूरत सफेद रेतीले तटों, महँगे होटलों तथा खास जीवन शैली के लिए जाना जाता है लेकिन इन सबके बावजूद यह अपने में एक सांस्कृतिक विरासत भी समेटे हुए हैं ।

1. संजाल पूर्ण कीजिए । 2

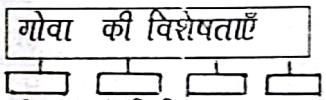

2) i. एक शब्द में उत्तर लिखिए । 1
1) लेखक ने पहले से बुक कर लिया था -.....
2) गोवा की राजधानी - .....

Scanned by CamScanner

ii) कारण लिखिए - 1

1) गोवा के मौसम में प्रायः उमस तथा हवा में नमी बनी रहती है -

3) i) निम्नलिखित शब्दों के विलोम शब्द परिच्छेद में से खोजकर लिखिए । 1

1. अनौपचारिक x ..... 2. आग x .....

ii) निम्नलिखित शब्दों में से प्रत्यय हटाकर नए शब्द लिखिए । 1

1. समुद्री- ..... 2. संस्कृतिक-.....

4) स्वमत अभिव्यक्तिः- 2

'अपने पसंदीदा पर्यटन स्थल के बारे में 6 से 8 वाक्यों में लिखिए।

प्र .1इ निम्नलिखित अपठित परिच्छेद पढ़कर सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ पूर्ण कीजिए।

वसंत के आगमन के साथ ही कभी-कभी ऐसा लगता है मानो जंगल में लाल रंग की लपटें उठ रही हों, ये लपटें आग की नही बल्कि पलाश के नारंगीपन लिए लाल फूलों की होती हैं। पलाश के लाल-लाल फूल आग की लपटों के समान ही दिखाई देते हैं। इसलिए 'इसे 'फ्लेम आफ द फायर'' कहा जाता है।

पलाश भारतीय मूल का एक प्रचीन वृक्ष है। इसे आदिदेव ब्रहमा और चंद्रदेव से संबंधित अलौकिक वृक्ष माना जाता है। इसमें एक ही स्थान पर तीन पत्ते होते हैं । इस पर एक कहावत प्रचलित है-'ढाक के तीन पात'। इसकी लकड़ी का हवन में उपयोग किया जाता है।इसीलिए इसे याज्ञिक भी कहते हैं।यज्ञ में काम आने वाले पात्र भी पलाश की लकड़ी से बनाए जाते हैं।

वेदों, पुराणों, स्मृतियों से लेकर रामायण, महाभारत और वर्तमान समय के ग्रंथों में पलाश के विषय में मनोहारी विवरण देखने को मिलता है।

1. संजाल पूर्ण कीजिए । 2

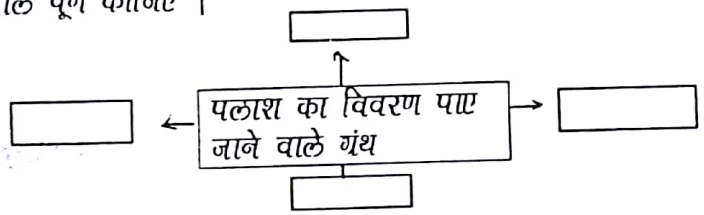

2) i. उत्तर लिखिए ।

1) परिच्छेद में प्रयुक्त कहावत -

2) आग की लपटों के समान दिखाई देने वाले पलाश के फूलों को कहा जाता है -

3) i) निम्नलिखित अर्थ सूचित करने वाले परिच्छेद में आए शब्द खोजकर लिखिए । 1

1) हवन में काम आने वाली लकड़ियाँ -

2) मन को लुभाने वाला -

ii) परिच्छेद में प्रयुक्त विरुदधार्थी शब्द परिच्छेद में से खोजकर लिखिए । 1

1. निर्गमन x ..... 2. लौकिक x .....

4) 'वृक्षों की उपयोगिता' के बारे में अपने विचार 6 से 8 वाक्यों में लिखिए । 2

विभाग - 2 पदय

प्र.2 अ निम्नलिखित पदयांश पढ़कर सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ पूर्ण कीजिए।

चरित थे पूत, भुजा में शक्ति, नम्रता रही सदा संपन्न
हृदय के गौरव में था गर्व, किसी को देख न सके विपन्न।

हमारे संचय में था दान, अतिथि थे सदा हमारे देव
वचन में सत्य, हृदय में तेज, प्रतिज्ञा में रहती थी टेव।

वही है रक्त, वही है देश, वही साहस है, वैसा ज्ञान
वही हैं शांति, वही है शक्ति, वही हम दिव्य आर्य संतान।

जिएँ तो सदा इसी के लिए, यही अभिमान रहे यह हर्ष
निछावर कर दें हम सर्वस्व, हमारा प्यारा भारतवर्ष।

1. आकृति पूर्ण कीजिए। 1

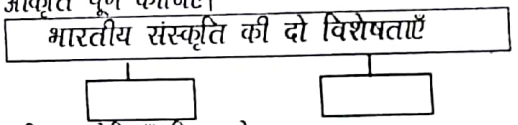

2. उचित जोड़ियाँ मिलाओ । 2

	अ	ब
1	संचय	तेज
2	सत्य	देव
3	अतिथि	वचन
4	रत्न	दान

Scanned by CamScanner

विभाग - 4 भाषा अध्ययन (व्याकरण)

प्र.4) 1) i) अधोरेखांकित शब्द का भेद लिखिए। 1

[illegible] साहब बड़े चतुर हैं।

ii) निम्नलिखित शब्द का प्रयोग अपने वाक्य में कीजिए। 1

[illegible]

2) i) निम्नलिखित वाक्य में प्रयुक्त अव्यय ढूँढ़कर उसका भेद लिखिए। 1

वर्षा के कारण समुद्र का पानी बढ़ गया।

ii) निम्नलिखित अव्यय शब्द का वाक्य में प्रयोग कीजिए। 1

इसलिए

3) निम्नलिखित वाक्यों का सूचना के अनुसार काल परिवर्तन कीजिए। 2

i) लक्ष्मी उसकी ओर देखती है। (अपूर्ण भूतकाल)

ii) मैं कॉलेज पढ़ती हूँ। (पूर्ण भविष्यकाल)

4) तालिका पूर्ण कीजिए। 2

संधि शब्द	संधि विच्छेद	भेद
मनोरंजन	....	....
....	रत्न + आकर	....

5) i) निम्नलिखित वाक्य का रचना के अनुसार भेद लिखिए। 1

रमजानी चुप खड़ी आगंतुक की बातें सुन रही थी।

ii) निम्नलिखित वाक्य का सूचना के अनुसार परिवर्तन कीजिए। 1

वे हमारे सुहागवाले गहने थे। (निषेधार्थक वाक्य)

6) i) मुहावरे का अर्थ लिखकर वाक्य में प्रयोग कीजिए। 1

निछावर करना-

ii) अधोरेखांकित वाक्यांश के लिए उचित मुहावरे का चयन करके वाक्य फिर से लिखिए। 1

(कान में डालना, फूला न समाना)

3. पद्यांश से शब्द ढूँढ़कर लिखिए। 1

i. पवित्र शब्द के लिए प्रयुक्त शब्द - ....

ii. गरीब शब्द के लिए प्रयुक्त शब्द - ....

4. उपर्युक्त पद्यांश की प्रथम दो पंक्तियों का भावार्थ लिखिए। 2

प्र.2 आ) निम्नलिखित कविताओं में से किसी एक कविता का पद्य विश्लेषण निम्नलिखित मुद्दों के आधार पर कीजिए। 6

1. गिरिधर नागर अथवा 2. कृषक गान

मुद्दे

i. रचनाकार का नाम - 1
ii. रचना की विधा - 1
iii. पसंद की पंक्तियाँ - 1
iv. पंक्तियाँ पसंद होने का कारण - 1
v. रचना से प्राप्त संदेश / प्रेरणा - 2

प्र.2 अ) निम्नलिखित अपठित पद्यांश पढ़कर सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ पूर्ण कीजिए।

हम विभिन्न हो गए विनाश में,
हम अभिन्न हो रहे विकास में,
एक श्रेय, प्रेम अब समान हो।

शुद्ध स्वार्थ कामनींद से जगें,
लोककर्म में महान सब लगें,
रक्त में उफान हो, उठान हो।

शोषित कोई कहीं न जन रहे,
पीड़न-अन्याय अब न मन सहें। 2

1. आकृति पूर्ण कीजिए।

विभिन्न तथा अभिन्न होने की स्थितियाँ

विभिन्नता — [ ]

अभिन्नता — [ ]

ii) लोगो से कवि की दो अपेक्षाएँ- 1

2) उत्तर लिखिए: 1

विकास काल में सबको सुलभ हो-

1 .... 2 ....

3 पद्यांश की प्रथम दो पंक्तियों का भावार्थ लिखिए । 2

विभाग - 3 पूरक पठन

प्र 3 अ निम्नलिखित पठित परिछेद पढ़कर सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ पूर्ण कीजिए।

मकान पर मकान

जिस गली में आजकल रहता हूँ-वहाँ एक आसमान भी है लेकिन दिखाई नहीं देता। उस गली मे पेड़ भी नही है, न ही पेड़ लगाने की गुंजाइश ही है। मकान ही मकान है। इतने मकान है कि लगता है मकान पर मकान लदे है। लंद-फंद मकानों की एक बहुत बड़ी भीड़, जो एक सँकरी गली मे फँस गई और बाहर निकलने का कोई रास्ता नही है। जिस मकान में रहता हूँ, उसके बाहर झाँकने से 'बाहर' नही सिर्फ दूसरे मकान और एक गंदी व तंग गली दिखाई देती है। चिड़ियाँ दिखती है, लेकिन पेड़ों पर बैठी या आसमान मे उड़ती हुई नहीं। बिजली या टेलीफोन के तारों पर बैठी, मगर बातचीत करतीं या घरो के अंदर यहाँ-वहाँ घोंसले बनाती नहीं दिखतीं। उन्हें देखकर लगता मानो वे प्राकृतिक नहीं रबड़ या प्लास्टिक के बने खिलौने है, जो शायद ही इधर-उधर फुदक सकते हो या चूँ-चूँ की आवाजें निकाल सकते हों।

मै ऐसी सँकरी और तंग गली मे, मकानों की एक बहुत बड़ी भीड़ से बिजली या टेलीफोन के तारो से उलझे आसमान से एवं हरियाली के अभाव से जूझते अपने मुहल्ले से बाहर निकलने की भारी कोशिश मे हूँ। 2

प्र 1) प्रवाह तालिका पूर्ण कीजिए ।

गली की विशेषताएँ

2) जनसंख्या बढ़ने के कारण परिवेश में हो रहे बदलाव के संदर्भ में अपने विचार 6 से 8 वाक्यो में लिखिए। 2

प्र.3 आ निम्नलिखित पठित पद्यांश पढ़कर सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ पूर्ण कीजिए।

घना अँधेरा
चमकता प्रकाश
और अधिक।

करते जाओ
पाने की मत सोचो
जीवन सारा।

जीवन नैया
मँझधार में डोले,
सँभाले कौन?

रंग-बिरंगे
रंग-संग लेकर
आयत फागुन। 1

प्र.1) कृति पूर्ण कीजिए।

हाइकु में प्रयुक्त महीना और उसकी ऋतु 1

ii) उचित जोड़ियाँ मिलाओ ।

अ	ब
1. जीवन	अ. फागुन
2. चमकता	ब. नैया
	क. प्रकाश

2

प्र.2) स्वमत अभिव्यक्ति ।

'श्रम का महत्व' इस विषय पर 6 से 8 वाक्य लिखिए।

Scanned by CamScanner